आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 04.11.2024
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- अल्मोड़ा जिले के कूपी मोटर मार्ग पर एक बस के खाई में गिरने से 36 लोगों की मृत्यु, 15 घायल।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुर्घटना पर दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को चार–चार लाख रुपये और घायलों को एक–एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।
- हरिद्वार स्थित चंडी घाट पर आज भव्य गंगा उत्सव का आयोजन किया जा रहा है।
- तृतीय केदार तुंगनाथ मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद किए गये।
- उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री व गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने के साथ ही चारधाम यात्रा का वर्तमान सत्र सकुशल संपन्न हुआ।

दुर्घटना

अल्मोड़ा जिले के कूपी मोटर मार्ग पर एक बस के खाई में गिरने से 36 लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि 15 अन्य यात्रियों के घायल होने की खबर है। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय प्रशासन मौके पर मौजूद है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बस 30 से 40 यात्रियों को लेकर गोलीखाल क्षेत्र से रामनगर जा रही थी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बस दुर्घटना में यात्रियों के हताहत होने पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कुमाऊं मंडल आयुक्त दीपक रावत और अल्मोड़ा के जिलाधिकारी से दुर्घटना की जानकारी लेते हुए राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। श्री धामी ने बताया कि घटनास्थल पर स्थानीय प्रशासन और एसडीआरएफ की टीमें घायलों को निकालकर उपचार के लिए निकटतम स्वास्थ्य केंद्र तक पहुँचाने के लिए तेजी से कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर गंभीर रूप से घायल यात्रियों को एयरलिफ्ट करने के भी निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बस दुर्घटना के मृतक परिजनों को 4–4 लाख रूपये और घायलों को 1–1 लाख रूपये की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं।

गंगा उत्सव

हरिद्वार के चंडी घाट स्थित नमामि गंगे घाट पर आज भव्य गंगा उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। गंगा संरक्षण के उद्देश्य से राष्ट्रीय गंगा मिशन इस महोत्सव का आयोजन कर रहा है। साथ ही गंगा की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्ता को लोगों तक पहुंचाने और स्वच्छता के प्रति जन जागरुकता बढ़ाना है। ये जानकारी देते हुए नमामि गंगे मिशन के उपमहानिदेशक नलिन कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि उत्सव की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। आकाशवाणी से बातचीत में उन्होंने कहा कि पहली बार इस उत्सव का आयोजन गंगा के तट पर किया जा रहा है। महोत्सव में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, मुख्यमंत्री पुष्कर धामी, केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राजभूषण चौधरी और मंत्रालय की सचिव देवश्री मुखर्जी भी शामिल होंगे। गौरतलब है कि यह गंगा उत्सव का आठवां संस्करण है। हरिद्वार में मुख्य उत्सव के साथ यह उत्सव उत्तरकाशी सहित गंगा तटीय 139 स्थान पर भी मनाया जाएगा।

तुंगनाथ धाम

रुद्रप्रयाग जिले में पंचकेदारों में प्रतिष्ठित तृतीय केदार तुंगनाथ मंदिर के कपाट आज सुबह 11 बजे शुभ मुहूर्त पर वैदिक मंत्रोंच्चार के साथ शीतकाल के लिए बंद हो गए। पांच सौ से अधिक श्रद्धालु कपाट बंद होने के साक्षी बने। इस वर्ष एक लाख 75 हजार से अधिक ने तुंगनाथ की यात्रा की। कपाट बंद होने के बाद भगवान तुंगनाथ की उत्सव डोली ने स्थानीय वाद्य यंत्र ढोल– दमाऊ और बाबा तुंगनाथ के जय उद्घोष के साथ प्रथम पड़ाव चोपता के लिए प्रस्थान किया।

उत्तरकाशी यात्रा

उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने के साथ ही चारधाम यात्रा का वर्तमान सत्र सकुशल संपन्न हो गया है। इस साल गत 10 मई 2024 को कपाट खुलने के बाद 177 दिनों के अवधि के बाद गंगोत्री के कपाट बंद हुए हैं और 178 दिनों के बाद यमुनोत्री धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए हैं। इस वर्ष गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में कुल 15 लाख 30 हजार 28 तीर्थयात्रियों का पदार्पण हुआ और इन दोनों धामों में यात्रियों का दैनिक औसत 8 हजार 620 रहा है। गंगोत्री धाम में इस बार 8 लाख 15 हजार 273 तथा यमुनोत्री धाम में 7 लाख 14 हजार 755 श्रद्धालुओं का पदार्पण हुआ है। चारधाम यात्रा के सुचारू, सुरक्षित और सुव्यवस्थित संचालन के फलस्वरूप इस बार जिले में अवस्थित दोनों धामों में तीर्थयात्रियों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। शुरूआती दौर में भारी भीड़ उमड़ आने के कारण सामने आई चुनौतियों का सफलतापूर्वक समाधान करते हुए प्रशासन के द्वारा यात्रा का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया गया। जिसके चलते इस बार अधिक यात्रियों की आमद के साथ यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। मानसून काल में सड़कों को सुचारू बनाए रखने के लिए संवेदनशील जगहों पर बड़ी संख्या में मशीनों व अन्य संसाधनों की तैनाती करने के फलस्वरूप इस बार यात्रा बाधित नहीं हुई।

केदारनाथ यात्रा

विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम के कपाट कल भैया दूज के पावन पर्व पर शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। यात्रा में पहली बार हेलीकॉप्टर कंपनियों ने अपना कारोबार 1 अरब के पार पहुंचाया, जबकि घोड़े–खच्चरों के संचालकों ने यात्रा काल में 1 अरब 6 करोड़, 88 लाख, 96 हजार रुपये का कारोबार कर रिकार्ड बनाया। इस वर्ष 16 लाख 52 हजार 76 श्रद्धालुओं ने केदारनाथ के दर्शन किए। इस बार पशुपालन विभाग ने यात्रा के लिए 8 हजार 200 घोड़े–खच्चरों का पंजीकरण किया था और 9 मई से 2 नवंबर तक यात्रा काल में सोनप्रयाग और गौरीकुंड तक 3 लाख 34 हजार 30 तीर्थयात्री घोड़े–खच्चरों पर केदारनाथ पहुंचे। वहीं, केदारनाथ से गौरीकुंड और सोनप्रयाग तक घोड़े–खच्चर से 1 लाख 45 हजार 594 तीर्थयात्री बाबा केदार के दर्शन कर लौटे।

संसदीय सम्मेलन

आस्ट्रेलिया के सिडनी में होने वाले 67वें राष्ट्र मंडलीय संसदीय सम्मेलन में राज्यसभा सांसद डॉ. नरेश बंसल भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। वे सम्मेलन में भाग लेने के लिए सिडनी रवाना हो गए हैं। यह सम्मेलन 5 से 8 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। 53 देशों के राष्ट्रमंडल संसदीय संघ का वार्षिक सम्मेलन एक महत्वपूर्ण आयोजन होता है। इसमें प्रजातांत्रिक व्यवस्था व संसदीय प्रणाली से जुड़े समसामयिक विषयों पर विमर्श होता है। इस बार सम्मेलन की थीम "लगे रहो, सशक्त बनाओ, कायम रखो, लचीले लोकतंत्र के लिए पाठ्यक्रम तैयार करना" है। सम्मेलन में विभिन्न देशों के प्रतिनिधि एक–दूसरे की संसदीय परंपराओं व विशिष्टताओं को जानने और समझने के साथ प्रजातांत्रिक मूल्यों को मजबूत बनाने का संकल्प लेते हैं।